कुमार जीवन - 22

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **रोब को त्याग, रूहाब को धारण करने वाले सच्चे सेवाधारी बनो:-** सभी कुमार सदा रूहानियत में रहते हो? रोब में तो नहीं आते? यूथ को रोब जल्दी आ जाता है। यह समझते हैं हम सब कुछ जानते हैं, सब कर सकते हैं। जवानी का जोश रहता है। लेकिन **रूहानी यूथ अर्थात् सदा रूहाब में रहने वाले। सदा नम्रचित्त। क्योंकि जितना नम्रचित्त होंगे उतना निर्माण करेंगे। जहाँ निर्मान होंगे वहाँ रोब नहीं होगा, रूहानियत होगी। जैसे बाप कितना नम्रचित्त बनकर आते हैं, ऐसे फ़ालो फ़ादर। अगर ज़रा भी सेवा में रोब आता तो वह सेवा समाप्त हो जाती है। (03-04-1982)**

➢➢ रौब किसे कहते हैं ?

➳ _ ➳ रौब का सम्बन्ध मैं से है

→ अध्यात्म में काम, क्रोध, लोभ, मोह को जीतने के बाद...

- अंत में बचता है :- "मैं"
  - **अति सूक्षम है :- "मैं"**
- भिन्न भिन्न प्रकार के मैं
  - सेवाओं का मैं
  - सिद्धियों का मैं
  - विशेषताओं का मैं
  - विकारों को जीतने का मैं
  - त्याग और तपस्या का मैं
  - Self Control का मैं
- **जहां पर मैं आता है**
  - **वहा से फिर पतन शुरू होता है**
- **मैं एक ऐसा पात्र है**
  - **जो कभी भी भरता नहीं है**
  - मैं हमेशा अतृप्त ही रहता है
- विशेषताओं और सिद्धियों का गलत प्रयोग
  - सिद्धियों को नष्ट कर देता है

➳ _ ➳ रौब कहता है :- मैं राईट हूँ

➳ _ ➳ मैं ही कर सकता हूँ

➳ _ ➳ स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझना

➳ _ ➳ अपनी विशेषताओं का अभिमान

→ “निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी” - बाबा ने “निर्विकारी” शब्द के साथ निरहंकारी शब्द को अलग से Highlight किया है

■ सदैव स्मृति में रखें :- “मेरा कुछ भी नहीं है... सब कुछ ऊपर से आ रहा है”

➳ _ ➳ मैं बड़ा हूँ

➳ _ ➳ मेरी समझ ज्यादा है

➳ _ ➳ मुझे नॉलेज ज्यादा है

➳ _ ➳ मेरी बुधी ज्यादा है

➳ _ ➳ मेरी आईडिया ज्यादा अच्छी है

➳ _ ➳ मुझे यह कार्य ज्यादा अछे से करना आता है

➳ _ ➳ मेरी क्षमता ज्यादा है

➳ _ ➳ मुझे पॉवर ज्यादा है

→ **सफलता के साथ जब विनम्रता मिक्स हो... वही सच्ची सफलता है**

→ सफलता को Handle करना एक बहुत बड़ी कला है

→ **सफलता के समय पाँव जमीन पर रखना एक महान व्यक्तित्व की निशानी है**

➳ _ ➳ मेरा विचार ज्यादा श्रेष्ठ है

➳ _ ➳ सदैव OverConfidence में रहना

➢➢ रूहानी रूहाब

➳ _ ➳ रूहाब का सम्बन्ध रूह से है

→ रौब का समबन्ध देह से है

➳ _ ➳ उतावलेपन से स्वयं को मुक्त रखें

→ की यह सेवा तो मुझे दी जाए... यह कार्य तो मुझे अच्छे से आता है

■ जब उसने हमारा उपयोग करना होगा कर लेगा

▸ समय से पहले भाग्य से ज्यादा कभी किसी ने कुछ नहीं पाया है